Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-C5-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December-2023

B.A. Darshan, Semester- III[rd]

Darshan : Paper -I

Nyay Darshan

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

1. इन्द्रियों के भौतिकत्व की सिद्धि करें।

2. न्यायदर्शनानुसार देहातिरिक्त चैतन्यवाद का निरूपण करें।

3. चतुर्थ अध्याय में वर्णित किन्हीं तीन प्रवादों का निराकरण करें।

4. न्यायसूत्रानुसार आत्मनित्यत्ववाद का वर्णन करें।

5. न्याय के 'अपवर्गपरीक्षाप्रकरण' पर प्रकाश डालें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पाँच** (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. तत्त्वज्ञानोत्पत्ति के साधनों का उल्लेख करें।

7. जाति एवं निग्रहस्थान के विभिन्न भेदों का नामोल्लेख करें।

8. ''दर्शनस्पर्शनाभ्यामेकार्थ ग्रहणात्'' सूत्र की व्याख्या करें।

9. न्यायदर्शनानुसार इन्द्रियनानात्व पर प्रकाश डालें।

10. महर्षि गौतम के अनुसार पृथिव्यादि द्रव्यों के गुणों का उल्लेख करें।

11. '' ऋणक्लेशप्रवृत्त्यनुबन्धादपवर्गाभावः'' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

12. न्याय के परमाणुवाद का निरूपण करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-C6-302

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December-2023

B.A. Darshan, Semester: Third

Darshan

Vaisheshik Darshan

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

1. वैशेषिक दर्शन में वर्णित पदार्थों का लक्षण सहित वर्णन करें।

2. वैशेषिक दर्शनानुसार शब्द के अनित्यत्व को प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।

3. द्रव्य, गुण एवं कर्म के लक्षण तथा प्रकारों का प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।

4. शरीर के भेदों का वर्णन वैशेषिक दर्शन के अनुसार विस्तारपूर्वक करें।

5. द्रव्य, गुण, कर्म के साधर्म्य व वैधर्म्य का निरूपण करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पाँच** (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. पृथिव्यादि महाभूतों के गुणों का सप्रमाण उल्लेख करें।

7. समवाय, असमवाय तथा निमित्त कारण को उदाहरणपूर्वक समझाएं।

8. वैशेषिक दर्शनानुसार परिशेष न्याय से शब्द को आकाश का गुण सिद्ध करें।

9. वैशेषिक दर्शनानुसार प्रमाण सहित आत्मा का लक्षण (स्वरूप) प्रस्तुत करें।

10. कोई तीन प्रमाण देकर वैशेषिक दर्शन के अनुसार मन के अस्तित्व को सिद्ध करें।

11. सामान्य और विशेष नामक पदार्थों के स्वरूप को स्पष्ट करें।

12. हेत्वाभास किसे कहते हैं तथा यह कितने प्रकार का होता है।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-EC4-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

B.A. Darshan, Semester: Third

संस्कृत साहित्य–1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. i. यस्तु सर्वाणि भूतानि .....

ii. यास्मिन् सर्वाणि भूतानि ..... मंत्रों के माध्यम से परमात्मा के साथ एकत्व प्राप्त महापुरूष की स्थिति का वर्णन कीजिये।

iii. स पर्यगात् शुक्रम् ..... मंत्र के माध्यम से परमात्मा के वास्तविक स्वरूप का भी वर्णन कीजिये।

2. i. श्रोत्रस्य श्रोत्रं ..... मंत्र के माध्यम से परमात्मा को समस्त करणों का कारण।

ii. यस्यामतं तस्य मतं ..... के माध्यम से योगी निरंहकारिता को, तथा

iii. इह चेद् अवेदीथ ..... के माध्यम से भगवत्प्राप्ति के लिये मनुष्य शरीर की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

3. यमाचार्य से नचिकेता के द्वारा माँगे गये तीन वरों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये –

4. श्रीमद् भगवद्गीता जी के सांख्ययोग में वर्णित स्थितप्रज्ञ प्रकरण को विस्तारपूर्वक समझाइये।

5. श्रीमद् भगवद्गीता जी के कर्मयोग में वर्णित काम अथवा कामना के स्वरूप को स्पष्ट करते हुये कामरूपी दुर्जय शत्रु पर कैसे विजय प्राप्त की जा सकती है?

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. i. ॐ ईशावस्यम् इदम् .....। मंत्र के भावार्थ की व्याख्या कीजिये।

ii. कुर्वन्नेवेह कर्माणि .....। मंत्र के भावार्थ की व्याख्या कीजिये।

7. ईशोपनिषद् में वर्णित विद्या तथा अविद्या के तत्व को मंत्रों के माध्यम से समझाइये।

8. केनोपनिषद् में ईश्वर की कृपा से विजय प्राप्त देवता तथा ब्रह्मस्वरूप यक्ष के संवाद के आध्यात्मिक दृष्तांत से हमें क्या शिक्षा प्राप्त होती है?

9. i. श्वोभावा मर्त्यस्य यदन्तकैतत् ..... तथा

ii. न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो ..... के माध्यम से भोगों की क्षणभंगुरता तथा सांसारिक धन-संपत्ति से मनुष्य की अतृप्ति को समझाइये।

10. i. मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय .....।

ii. यं हि न व्यथयन्त्येते ..... के माध्यम से धीर पुरूष को अमृतत्व की प्राप्ति होती है। स्पष्ट कीजिये।

11. i. कुलस्त्वा कश्मलमिदं .....

ii. क्लैव्यं मा स्म गमः ..... श्लोको की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिये।

12. "परस्परं भावयन्तः श्रेयः परम् अवाप्स्यथ।" के माध्यम से परम कल्याण की प्राप्ति के साधन की व्याख्या कीजिये।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-SEC-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

B.A. Darshan, Semester: Third

योग-विज्ञानम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. कमरदर्द के लिए तथा मोटापे में किये जाने वाले आसनों का क्रम तथा विधि को समझाइए।
2. शरीर शुद्धि के लिए षट्कर्म का प्रयोग है? विभागपूर्वक क्रियायें स्पष्ट करें।
3. साधक के लिए मुद्राओं का क्या प्रयोजन है? तथा मुद्रायें कितनी प्रकार की होती हैं? वर्णन करें।
4. सर्वांगीण विकास के लिए कौन-कौन से आसन व्यायाम आवश्यक हैं? वर्णन करें।
5. यौगिक जौगिंग तथा सूर्य नमस्कार का नाम, विधि, व लाभ क्या-क्या हैं? स्पष्ट करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. गोमुखासन, मूण्डूकासन व शशकासन के लाभ व विधि का वर्णन करें।
7. अष्टचक्रों का संक्षेप में लाभ सहित वर्णन करें।
8. धनुरासन, बकासन, तथा चक्रासन के क्या लाभ हैं?
9. भारतीय परम्परागत रूप से बैठकों का नाम व लाभ क्या है?
10. भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम का रोगानुसार प्रयोग क्या हैं?
11. ज्ञानमुद्रा, भैरवमुद्रा, तथा प्राणमुद्रा के क्या लाभ व विधि हैं?
12. एक रोगी के लिए योग साधना कैसी होनी चाहिए?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-EC3-306

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

B.A. Darshan, Semester : Third

संस्कृत व्याकरण–1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वृद्धिरादैच् अदेङ्गुणः।
2. हलोऽनन्तराः सयोगः मुखनासिका वचनोनुनासिकः।
3. शि सर्वनाम्स्थानम् सुडनपुंसकस्य।
4. इकोयणचि, एचोऽयवायावः।
5. अकः सवर्णे दीर्घः अमिपूर्वः।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अचोऽन्त्यादिटि।
7. अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा।
8. अकुहविसर्जनीयाः कण्ठ्याः।
9. इचुयशास्तालव्याः।
10. ऋटुरषाः मूर्धन्याः।
11. लृतुलसाः दन्त्याः।
12. ऋत उत्।

----------X----------